इन्सान से मोहब्बत

मौलाना जलील अहसन नदवी रह. राहे अमल हिन्दी.

‘नोट:- हदीष की रिवायत का खुलासा है.’

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

1} बुखारी व मुस्लिम, रावी हज़रत अबूजर गिफारी रदी. खुलासा- मैने रसूलुल्लाह ﷺ से पूछा की कौन सा काम बेहतर और मेअयारी है? आप ﷺ ने फरमाया अल्लाह पर ईमान लाना और अल्लाह की राह मै जिहाद करना मैने पूछा की किस तरह के गुलामो को आजाद कराना ज्यादा बेहतर है? आप ﷺ ने फरमाया की ऐसे गुलामो को आजाद कराना जिस की कीमत ज्यादा हो और जो अपने मालिको की निगाह मै बेहतर हो मैने कहा की अगर ये मै न कर सकूं तो क्या करूं? आप ﷺ ने फरमाया तो फिर तुम किसी काम को करने वाले की मदद करो या उस शख्स का काम करो जो अपने काम को बेहतर तरीका पर नहीं कर सकता, मैने कहा की अगर ये मै ना कर सकूं? तो आप ﷺ ने फरमाया लोगों को तकलीफ न दो, तो ये तुम्हारा सदका होगा जिस का बदला तुम्हें मिलेगा.

अल्लाह पर ईमान लाने का मतलब दीने तौहीद यानी इस्लाम को कुबूल करना है, और जिहाद का मतलब ये है की जो लोग दीने हक़ को मिटने के लिए तैयार हो उनका मुकाबला किया जाये अगर वो दीन और दीन वालो को मिटने के लिए तलवार उठाये तो मोमिन का फ़र्ज़ है को वो भी तलवार उठाये और एलान करदे की दीन हमारी जानो और तुम्हारी जानो से जियादा कीमती है अगर तुम उसको ज़िबह करोगे तो हम तुम्हे ज़िबह कर देंगे या खुद ज़िबह हो जाएंगे. अरब मै गुलामी का रिवाज़ था और अरब ही मै नहीं था बल्कि उस ज़माने की तमाम मुहज़्ज़ब दुन्या मै ये लानत पायी जाती थी इस्लाम जब आया तो उसने इंसानो को ऊँचा उठाने और इंसानियत की बिरादरी मै शामिल करने के लिए गुलामो को आज़ादी के मामले को अपना प्रोग्राम मै शामिल किया और उसे बहुत बड़ी नेकी करार दिया. सोसाइटी के ज़रूरतमंद लोगो की मदद करना और किसी शख्श का काम कर देना जिसे वो नहीं सकता या बे-ढंगे तरीके से करता है, ये बहुत बड़ी नेकी है.

2} बुखारी व मुस्लिम, खुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया जो

शख्स किसी ऐसे गुलाम को आजाद करेगा जो इस्लाम ला चुका है तो अल्लाह तआला उसके एक-एक अंग के बदले उसके एक-एक अंग को जहन्नम की आग से बचाएगा.

3} तिर्मेज़ी, खुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया तू नेकी के काम को कमतर न समझ, तू अपने भाई से हंस कर मिले ये भी नेकी है और अपने डोल का पानी अपने भाई के बरतन मै दाल दे, ये भी नेकी है.

4} बुखारी, खुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया दो आदमियों के बीच सुलह करा दो, ये भी नेकी है तुम किसी को अपनी सवारी पर बिठा लो, या उसका बोझ अपनी सवारी पर रख लो ये भी नेकी है, अच्छी बात कहना भी नेकी है तुम्हारा हर कदम जो नमाज के लिये उठता है नेकी है, रास्ता से कांटे पत्थर हटा देना भी नेकी है.

5} तिर्मेज़ी, खुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया तुम अपने माल व मर्तबा से किसी को फायदा पहुंचाओ ये नेकी है, एक

आदमी अपने दावे को अच्छी तरह से नहीं बयान कर सकता और तुम्हें ये नेमत मिली है तो अपने भाई की वकालत करना और उसकी तर्जुमानी करनी ये भी नेकी है. तुम्हें ताकत दी गई है तो किसी कमजोर की मदद करो ये भी नेकी है. तुम्हारे पास इल्म है तो दूसरों को सही बात बतानी ये भी नेकी है.

6} मुस्लिम, रावी हज़रत अबू मूसा अशअरी रदी. खुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया हर मुसलमान पर सदका (दान) करना लाजिम है तो मैने कहा की अगर किसी के पास माल न हो? आप ने फरमाया वो कमाये, खुद खाये और गरीबों को भी दे, मैने कहा, अगर वो ये न कर सके तो? आप ने फरमाया किसी जरूरतमंद मुसीबत मै फसे हुवे आदमी की मदद करे, मैने कहा अगर वो ये न कर सका तो आप ﷺ ने फरमाया लोगों को नेकी करने पर उभारे मैने कहा अगर उसने ये न किया? आप ने फरमाया की लोगों को तकलीफ न दे, ये भी नेकी है.

7} बुखारी व मुस्लिम, रावी हज़रत इबने उमर रदी. खुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया जो शख्स अपने भाई की जरूरत के

वकत उसके काम आयेगा, अल्लाह उसकी जरूरत के वकत मदद करेगा.

8} एक और हदीस खुलासा- रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया की अल्लाह ने अपने कुछ बन्दे लोगों की जरूरत पूरी करने के लिये पैदा किये है, लोग अपनी जरूरतें उन तक पहुंचाते है और वो पूरी कर देते है ये लोग कयामत के दिन अल्लाह के गुस्सा और अजाब से महफूज (सुरक्षित) रहेंगे.